Jan. 2021

SRMS Trust Bulletin

# आयाम

## सांस्कृतिक विरासत संजोने का प्रयास है रिद्धिमा

PAGE 6

- स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी का 110वां जन्मदिन - PAGE 03
- एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी संस्थानों में मनाया गणतंत्र दिवस - PAGE 10
- अंतिम गेंद तक रोमांचक रहा फ्रैंडली क्रिकेट मैच - PAGE 13
- एसआरएमएस में ज्यादा होंगी कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी - PAGE 17
- एसआरएमएस मेडिकल को सिल्वर क्वालिटी सर्टिफिकेट - PAGE 16
- पुरस्कृत कहानी- 'बंटवारा'- PAGE 14-15

## सांस्कृतिक विरासत एवं गंगा जमुना तहजीब संजायें रखने का एक प्रयास...

**प्रवेश प्रारम्भ**

- सर्टिफिकेट (6 माह)
- एडवांस सर्टिफिकेट (1 वर्ष)
- डिप्लोमा (2 वर्ष)
- एडवांस डिप्लोमा (3 वर्ष)




| | | | |
|---|---|---|---|
| **शास्त्रीय गायन**<br>वोकल | **शास्त्रीय गायन**<br>इन्स्ट्रूमेंटल<br>सितार \| तबला \| वॉयलन<br>स्पेनिश गिटार \| हारमोनियम | **शास्त्रीय नृत्य**<br>कत्थक<br>भरतनाट्यम | **ड्रामा**<br>**थियेटर**<br>**फाइन आर्ट्स** |

**प्रवेश के लिए सम्पर्क करें- 9458701600**

**श्री राम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा** (श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित)

मॉडल टाउन पुलिस चौकी के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली (उ.प्र.) - 243005

riddhima@srms.ac.in www.srms.ac.in/riddhima

## एसआरएमएस का 17वां इंस्टीट्यूट

SRMS
SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST
SUVAAS
(100% Vegetarian Bakery for Trust Family)

लगातार नए नए आयाम, कीर्तिमान स्थापित करने वाला एसआरएमएस ट्रस्ट रिद्धिमा के नाम से अपना 17वां इंस्टीट्यूट लेकर आया है। शास्त्रीय और सुगम संगीत के साथ डांस, ड्रामा और ललित कला को समर्पित यह संस्थान हिंदुस्तान की खोती विरासत से युवा पीढ़ी को परिचित कराएगा। देश की गंगा जमुनी तहजीब की जानकारी देकर उनकी प्रतिभा को भी निखारेगा। शास्त्रीय और सुगम संगीत की विधिवत शिक्षा लेकर यहां से निकलने वाले विद्यार्थी निसंदेह प्रतिभा के धनी होंगे और दूसरों को विरासत सौंपने के काबिल भी। उम्मीद है डांस, ड्रामा और अन्य ललित कलाओं में पारंगत यह विद्यार्थी एक सपनों का समाज बनाने में पहल करेंगे जो आपसी भाई चारे और विश्व बंधुत्व की भावना से आगे बढ़ेगा। जहां न किसी से धर्म के आधार पर भेदभाव होगा और न जाति या लिंग के आधार पर। उम्मीद है हम सब जल्द बदलते हुए समाज को देखेंगे और इसकी शुरुआत बरेली से रिद्धिमा से होगी।

**जय हिंद**

## अमृत कलश

**''एक श्रेष्ठ व्यक्ति अपनी बोली में पीछे लेकिन अपने कर्म में आगे रहता है।''**


## EDITORIAL TEAM

| | | |
|---|---|---|
| Amit Awasthi | - | Editor |
| Rishabh Tiwari | - | Correspondent |
| Indu Dixit | - | Photographer |
| Gautam Rai | - | Photographer |
| Yasmeen Khan | - | Designer |
| Vineet Sharma | - | (Co-Ordinator, IMS) |
| Dr. Ekta Rastogi | - | (Co-Ordinator, IBS) |


**Mail us:** amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in

13 km., Ram Murti Puram, Bareilly-Nainital Road, Bhojipura, Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090

# स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी का 110वां जन्मदिन

**प्रेरणा स्रोत स्व. श्री राम मूर्ति जी**
**(08.02.1910 - 02.10.1988)**

स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री आदरणीय राम मूर्ति जी का आज (8 फरवरी 2021) 110वां जन्मदिन है। हमेशा की तरह एसआरएमएस ट्रस्ट अपने प्रेरणा स्रोत का जन्मदिन धूमधाम से मना रहा है। आज ट्रस्ट परिवार अपने प्रेरणा स्रोत पूज्य बाबू जी को, उनकी याद में, उनके सपने के रूप में रिद्धिमा नाम से 17वां संस्थान सौंप रहा है। शास्त्रीय और सुगम संगीत के साथ डांस, ड्रामा और ललित कला को समर्पित यह संस्थान रुहेलखंड और आस पास के क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभा तो निखारेगा ही उन्हें देश की विरासत और गंगा जमुनी तहजीब से भी परिचित कराएगा। आज ही के दिन स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी का जन्म बरेली के धौरा गांव में जमींदार साहू ठाकुरदास के यहां हुआ था। पिता ठाकुरदास और माता रेवती से उन्होंने सरलता, सहजता सीखी। उनसे मिली उपकार और देश प्रेम की सीख ने बालक राम मूर्ति जी को अंग्रेजों के खिलाफ सोचने पर मजबूर किया। मालवीय जी की सीख उन्हें अंग्रेजी शासन के खिलाफ राष्ट्रीय आंदोलन में ले आई। जिसे गांधी जी के विचारों ने परवान चढ़ाया। अहिंसा के अस्त्र को राम मूर्ति जी ने भी अपनाया और बरेली परिक्षेत्र में देशभक्तों की आवाज बन गए। सत्याग्रह आंदोलन में भाग लेने की वजह से उन्हें पहली बार गिरफ्तार किया गया। वह वर्ष था 1930 और महीना अगस्त। तब उनकी उम्र मात्र बीस वर्ष थी। 1930 से अंग्रेजी अत्याचारों के खिलाफ आंदोलन और गिरफ्तारी का शुरू हुआ यह सिलसिला देश की आजादी तक चलता रहा। वर्ष 1975 में इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोपा। तब भी गांधीवादी राम मूर्ति जी अन्याय और अत्याचार का विरोध करने सड़क पर निकल आए। 65 वर्ष की उम्र में उन्होंने आपातकाल के खिलाफ बरेली कचहरी पर सत्याग्रह किया और गिरफ्तारी दी। उन्हीं के आदर्शों को लेकर आज एसआरएमएस ट्रस्ट समाजसेवा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे सिद्धांतवादी, आदर्शवादी, गरीबों के मसीहा राम मूर्ति जी को आज (8 फरवरी 2021) उनके 110वें जन्मदिन पर सादर श्रद्धांजलि।

**आपातकाल के दौरान जेल में बंद स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मंत्री राम मूर्ति जी बेटे देव मूर्ति के विवाह के लिए सरकार की विशेष अनुमति के बाद समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर बेटे, बहू और अन्य परिजनों के साथ राम मूर्ति जी। (फोटो-एसआरएमएस आर्काइव)**

दिनेश कुमार सिंह
DINESH KUMAR SINGH
DIVIL. RAILWAY MANAGER
सं. मंरेप्र / एसएस / इज्जत / 11,

पूर्वोत्तर रेलवे
इज्जतनगर-243122
North Eastern Railway
IZATNAGAR-243122
✆ : 0581-2515946
e-mail : drm@izn.railnet.gov.in
दिनांक : 18.09.2020

श्री देवमूर्ति जी,
चेयरमैन,
श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट,
एन-3, रामपुर गार्डन,
बरेली-243001

मुझे प्रसन्नता है कि श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट 2 अक्टूबर, 2020 को अपनी स्थापना के 30 वर्ष पूरे कर रहा है। इस ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थानों द्वारा रोजगारपरक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं जनकल्याणकारी कार्यों के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई जा रही है। इसके साथ ही समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों को आपके ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया है। ट्रस्ट द्वारा कोविड-19 के दौरान लोगों को रोजगार देने एवं खाद्य सामग्री तथा भोजन की जो व्यवस्था की गई वह निःसंदेह सराहनीय एवं प्रशंसनीय है।

ट्रस्ट द्वारा संचालित विभिन्न संस्थान जैसे, श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, श्री राममूर्ति स्मारक कालेज आफ फार्मेसी और श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। आपके संस्थानों में अनुशासन एवं भारतीय संस्कृति का बहुत ध्यान रखा जाता है। साथ ही मेधावी छात्रों को स्कालरशिप के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाता है। उपुर्यक्त कार्य अन्य संस्थानों के लिए अनुकरणीय हैं।

मैं, श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट के अन्तर्गत स्थापित सभी संस्थानों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

18-9-2020
(दिनेश कुमार सिंह)

भाकृअनुप-भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान
(सम-विश्वविद्यालय)
इज्जतनगर-243 122 (उ०प्र०) भारत
ICAR-Indian Veterinary Research Institute
(Deemed University)
Izatnagar-243 122 (U.P.) INDIA

डॉ बी.पी. मिश्रा
निदेशक (का.)
Dr B.P. Mishra
DIRECTOR (Actg.)

## संदेश

मानव चिकित्सा, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, तथा फार्मेसी के क्षेत्रों में अपने उच्चगुणवत्तापूर्ण अध्यापन, प्रशिक्षण एवं समर्पित सेवा मानकों के दृष्टिगत श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट, बरेली अपने द्वारा संचालित कॉलेजों के माध्यम से देश में अपना एक विशिष्ट एवं अग्रणी स्थान रखता है। इसके अतिरिक्त एस.आर.एम.एस. ट्रस्ट के सराहनीय एवं सुखद प्रयासों में पहियों पर अस्पताल, मोबाइल टेलीमेडिसिन बस, जनहित चिकित्सा योजना, सामुदायिक स्वास्थ्य योजना, गरीबों को मुफ्त 400 बिस्तर, गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, मेधावी छात्रों को 3.5 करोड़ की छात्रवृत्ति प्रदान करना, निःशुल्क मोतियाबिंद की जांच व आपरेशन कार्यक्रम, निःशुल्क ग्रामीण स्वास्थ्य कैंप इत्यादि ट्रस्ट द्वारा संचालित मुख्य योजनाएं सम्मिलित हैं। इंडिया टुडे जैसी प्रतिष्ठित पत्रिका ने इसी वर्ष जुलाई में प्रकाशित अपने अंक में एस.आर.एम.एस. मेडिकल कालेज को देश में तेजी से उभरते मेडिकल कालेजों में चौथा स्थान दिया है, जो उनके सार्थक प्रयासों को प्रतिबिम्बित करता है, इस उपलब्धि के लिए मैं इस ट्रस्ट के संरक्षक एवं समर्पित संकाय को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

जीवन में हमारा ईमानदार प्रयास होना चाहिये कि हम अपनी समस्याओं को सुलझाने के कौशल में आशातीत सुधार लायें और एक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करें। साथ ही, असीम संभावनाओं की इस दुनिया में स्वयं को आगे ले जाने, गतिशील रूप से सोचने और काम करने के लिये स्वयं को तैयार करें, तथा अपने बहु आयामी व्यक्तित्व व दृष्टिकोण को विकसित करें। ऐसा करके हम आने वाले समय में, विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने, एवं एक कुशल, उत्तरदायी और कार्यशील पेशेवर कार्मिक के रूप में अपना सक्रिय व सार्थक योगदान दे सकने में निश्चित रूप से सफल हो सकेंगें, ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है।

श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट, बरेली अपने गरिमायी स्थापना दिवस की 30वीं वर्षगांठ माह अक्टूबर में मनाने जा रहा है। स्थापना दिवस के इस सुअवसर पर कोरोना महामारी के प्रति पूर्ण सतर्कता अपनाते हुये एस.आर.एम. एस. ट्रस्ट अपना स्थापना दिवस सादगी पूर्ण तरीके तथा कोरोना महामारी के दौरान जागरूकता अभियान, मास्क वितरण आदि पुनीत कार्यों के माध्यम से मनायेगा, ऐसी मेरी आशा व अभिलाषा है। स्थापना दिवस समारोह के इस महत्वपूर्ण आयोजन पर मैं इसके आदरणीय संरक्षक, समस्त पदाधिकारियों, समर्पित संकाय व स्टाफ, एवं छात्रों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं, साथ ही देश हित व समाज हित में आप सबके उज्ज्वल भविष्य व अधिकाधिक योगदान के लिये मंगल कामना करता हूं।

जयहिन्द,

(बी.पी. मिश्रा)

Phone: +91-581-2300096 (O); Fax No. +91-581-2303284; E.mail: director.ivri@icar.gov.in, directorivri@gmail.com

# रिद्धिमा: सांस्कृतिक विरासत संजोने का प्रयास

## स्वर्गीय राम मूर्ति जी के 110 वें जन्मदिन पर होगा ट्रस्ट के 17वें संस्थान का उद्घाटन

हवन पूजन

- एसआरएमएस रिद्धिमा के लिए नवनिर्मित भवन में हुआ पूजन समारोह
- रिद्धिमा सभागार में हुए विशेष कार्यक्रम में गुरुओं ने दी अप्रतिम प्रस्तुति

सम्बोधन

**बरेली:** संगीत और गायन में पहले नौशाद साहब, रफी, मुकेश और मन्ना डे जैसे संगीतकारों और गायकों का बोलबाला था। ये संगीत और गाने दिल को सुकून देते थे। आज न गाने हैं और न संगीत। कानफोड़ू संगीत, बेसिर पैर के गाने और बेढंगा डांस हावी होता जा रहा है। मालूम ही नहीं पड़ता कि कौन सा वाद्ययंत्र बज रहा है। क्या गाने के बोल हैं। संगीत के नाम पर हर आदमी गा रहा है। नृत्य के नाम पर भी भोड़ेपन से ही सामना होता है। यही हाल कला और संस्कृति, थिएटर और ड्रामा का भी है। ऐसे में लुप्त होती सांस्कृतिक धरोहर और कला संस्कृति को संजोने और पुनर्जीवित करने के लिए श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की ओर से रिद्धिमा 'ए सेंटर आफ परफार्मिंग एंड फाइन आर्ट्स' की स्थापना की जा रही है। यह बात एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक और चेयरमैन देव मूर्ति जी ने रिद्धिमा के नवनिर्मित भवन में आयोजित पूजन समारोह में कही। रिद्धिमा सभागार में रविवार (17 जनवरी 21) को गुरुओं की प्रस्तुति से पहले चेयरमैन देव मूर्ति, आदित्य मूर्ति, श्यामल गुप्ता, डा.एसबी गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता सहित कई गण्यमान्य लोगों ने माता सरस्वती की मूर्ति के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। इस मौके पर सरस्वती वंदना मां सरस्वती शारदे... को स्वर डा. उषा तिवारी और डा.पंकज शर्मा ने दिए। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित गणेश वंदना गायिये गणपति जगवंदन... की प्रस्तुति से कार्यक्रम आरंभ हुआ। डा. पंकज शर्मा ने इसे स्वर भी दिया और हार्मोनियम भी संभाला। तबले पर उनका साथ आनंद मिश्रा, वायलिन पर डा.सूर्यकांत चौधरी और सितार पर कुंवर पाल सिंह ने दिया। इस संगत से सधे संगीत और स्वर के बीच कथक के जरिये अमृत मिश्रा ने की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। जिसने उपस्थित श्रोताओं को अनवरत तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। अगली प्रस्तुति पं. राधेश्याम कथावाचक द्वारा रचित वीर अभिमन्यु नाटक के एक दृश्य की हुई। जिसमें अभिमन्यु के वध के बाद अर्जुन की प्रतिज्ञा का मंचन किया गया। परशियन शैली के इस नाटक में अर्जुन के किरदार के रूप में अंबुज कुकरेती दर्शकों के सामने आए। एकल पात्र के रूप में अंबुज ने अर्जुन के रूप में महाभारत के यादगार दृश्य को साकार कर दर्शकों को रोमांचित किया। इसके बाद कुंवर पाल सिंह ने राग मेघ मल्हार को सितार पर प्रस्तुत किया। उन्हें तबले पर संगत शिव शंभू कपूर ने दी। दोनों की जुगलबंदी ने श्रोताओं को देर तक मंत्रमुग्ध कर मेघ मल्हार से सराबोर किया। यह अनुभूति थमी ही थी कि सूर्यकांत चौधरी ने वायलिन पर राग यमन और राग पहाड़ी में दादरा प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर अपना हुनर दिखाया। तबले पर उनका भी साथ शिव शंभू कपूर ने दिया।

वाद्ययंत्रों के बाद बारी आई गायन की। ऐसे में मंच संभाला उस्ताद डा.उषा तिवारी ने। उन्होंने कबीरदास के प्रिय भजन मन लागा मेरा यार फकीरी... को अपनी

आवाज दी। उनका साथ देने हारमोनियम पर पंकज शर्मा, वायलिन पर सूर्यकांत, तानपूरा पर मोहित कुमार और तबले पर सेंटर हेड संगीतज्ञ डा.शोभा रानी कुदेशिया खुद मंच पर उपस्थित हुईं। इन सभी की जुगलबंदी और डा.उषा रानी के स्वर ने आडिटोरियम का माहौल सूफियाना कर दिया। फकीरी की निर्गुण भक्ति में श्रोता देर तक डूबे रहे। न समय का भान रहा न स्थान और शीतलहर का ही। मंच संचालक आशीष कुमार ने अंतिम प्रस्तुति की घोषणा के साथ ही भरतनाट्यम नृत्यांगना अंबाली प्रहराज का आह्वान किया। उन्होंने भगवान कृष्ण के संबंध में राधा और उनकी सखियों के बीच हुए संवाद को भरतनाट्यम की एक विधा वर्णम के जरिये दर्शकों के सम्मुख प्रस्तुत किया। उनके भावों ने बखूबी राधा और उनकी सखियों की बात दर्शकों तक पहुंचाई। देर तक करतल ध्वनि से सभागार गुंजायमान होता रहा। एक बार फिर मंच पर सभी का धन्यवाद देने चेयरमैन देव मूर्ति जी पहुंचे। उन्होंने छह महीने में सेंटर को भव्य स्वरूप प्रदान करने वाले सभी साथियों को धन्यवाद दिया। कहा कि सभी ने अपना काम बेहतरीन ढंग से किया। इसीलिए यह भवन इतने कम समय में बन कर तैयार हुआ है।

इससे पहले स्टेडियम रोड पर स्थित माडल टाउन पुलिस चौकी के सामने को एसआरएमएस रिद्धिमा 'ए सेंटर आफ परफार्मिंग एंड फाइन आर्ट्स' के नवनिर्मित भवन में पूजन समारोह आयोजित किया गया। परिवारी जनों के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक और चेयरमैन देव मूर्ति जी पूजन और हवन में शामिल हुए। पूजन के बाद गुरुओं द्वारा आयोजित प्रस्तुति से पहले देव मूर्ति जी ने रिद्धिमा सभागार में उपस्थित लोगों को इंस्टीट्यूट बनाए जाने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि हमारे पिता, प्रेरणा स्रोत, स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मंत्री राम मूर्ति जी का रुझान कला और संस्कृति की ओर हमेशा रहा है। उन्हीं की प्रेरणा से हिंदुस्तान की सांस्कृतिक धरोहर और गंगा जमुनी तहजीब को संजोने और पुनर्जीवित करने के लिए श्री राम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट की ओर से रिद्धिमा 'ए सेंटर आफ परफार्मिंग एंड फाइन आर्ट्स' की स्थापना की जा रही है। इसका विधिवत उद्घाटन आठ फरवरी को किया जाएगा। इस दिन हमारे पूज्य पिता जी का 110वां जन्मदिन है। देव मूर्ति जी ने कहा कि बरेली देश का पचासवां और प्रदेश का आठवां सबसे बड़ा शहर है। राजा जगत सिंह द्वारा बसाया और उनके बेटे बासव देव और बरल देव के नाम से पहचाना जाने वाला, चारों ओर से शिव मंदिरों से घिरे बरेली शहर की पहचान नाथनगरी के रूप में भी है। इसे जनाब आला हजरत और पंडित राधेश्याम कथावाचक की जन्मभूमि होने का गौरव भी प्राप्त है। यहां चुन्ना मियां द्वारा स्थापित लक्ष्मीनारायण मंदिर में आरती से सुबह होती हैं तो खानकाह ए नियाजिमा में सूफियाना अंदाज में शामें परवान चढ़ती और राते गुलजार होती हैं। जनाब वसीम बरेलवी के संजीदा अशआर इसे और भी गौरव प्रदान करते हैं। ऐसी गंगा जमुनी सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और कला संस्कृति का शहर है बरेली। आदरणीय जेसी पालीवाल और डा.ब्रिजेश्वर सिंह ने यहां कला संस्कृति को संजोये रखने के लिए काफी प्रयास किए हैं। लेकिन आम लोगों को कला, संस्कृति, थिएटर, डांस सीखने का मौका नहीं मिल पा रहा था। शहर में यह बड़ी कमी थी। हम रिद्धिमा का मंच प्रदान कर यह कमी पूरी कर आम लोगों को अपनी कला निखारने में सहयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। देव मूर्ति जी ने संस्थान का नाम रिद्धिमा रखे जाने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि यह शब्द

मन लागा मोरा यार फकीरी में...डॉ. शोभा रानी कुदेशिया, डॉ. उषा रानी, डॉ. मोहित कुमार, पंकज शर्मा, सूर्यकांत

सरस्वती जी और दुर्गा जी का पर्यायवाची है। उर्दू में सुख और आनंद वाला स्थान और इंग्लिश में इसे हैपीनेश वाली जगह कहा जाता है। ऐसे में इस शब्द से अच्छा कोई दूसरा शब्द नहीं हो सकता था, जिसमें सभी संस्कृतियों का समावेश हो। इसी वजह से यह एसआरएमएस के 17वें इंस्टीट्यूट के रूप में स्थापित हो रहा है। इसके पीछे तमाम लोगों का प्रोत्साहन शामिल है। लाकडाउन के दौरान मात्र छह महीने में निर्मित इस भवन में शास्त्रीय व सुगम संगीत, गायन, वादन, शास्त्रीय नृत्य, कला और रंगमंच की शिक्षा दी जाएगी। डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा और सर्टिफिकेट दिए जाएंगे। 21 जनवरी से इसके लिए प्रवेश आरंभ हो जाएगा। टीकाराम गर्ल्स पीजी कालेज की पूर्व प्राचार्य और रिद्धिमा की सेंटर हेड डा.शोभारानी कुदेशिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और सेंटर द्वारा संचालित किए जाने वाले सभी पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रिद्धिमा में शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, ड्रामा और थिएटर के साथ फाइन आटर्स में छह माह का सर्टिफिकेट, एक वर्ष का एडवांस सर्टिफिकेट, दो वर्ष का डिप्लोमा और तीन वर्ष का एडवांस डिप्लोमा प्रदान करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि हम इसे डिग्री के साथ पीएचडी तक ले कर जाएं।

इस मौके पर आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, अंबिका मूर्ति, पुष्पलता गुप्ता, गुरु नारायण मेहरोत्रा, देवेंद्र खंडेलवाल, अनुज अग्रवाल, रविंदर अग्रवाल, संजीव गुप्ता, सुभाष मेहरा, भरत अग्रवाल, राम गुप्ता, मेघा दारिआना, मनोज दारिआना, बरेली कालेज के प्राचार्य डा.अनुराग मोहन, चीफ प्राक्टर डा.वंदना शर्मा, विभोर गोयल, सुबोध अग्रवाल, जय श्री, राजीव मल्होत्रा, रीना अग्रवाल, गौरव सक्सेना, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डा.ललित सिंह, डा.अनुज कुमार, डा.शमशाद आलम, आशीष कुमार, डा.सोवन मोहंती, डा. ऋतु सिंह, डा.मुकुट बिहारी लाल शर्मा, डा. शशांक शाह, डा.एसके सागर, डा.पीएल प्रसाद, डा.तनु अग्रवाल, डा.स्मिता गुप्ता, डा.बिंदू गर्ग, डा.रोहित शर्मा, डॉ. शशि बाला, डॉ. नीलिमा मेहरोत्राा, डा.दीप पंत, डा.सुषमा रतूड़ी के साथ एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों के सभी विभागों के प्रमुख लोग मौजूद रहे।









SHRI RAM MURTI SMARAK TRUST 1990-2020 30 GLORIOUS YEARS INDIA

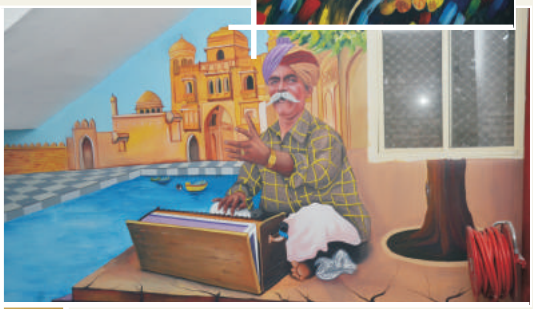

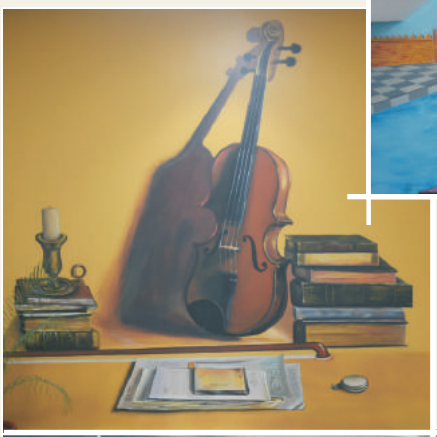

# सांस्कृतिक कार्यक्रम

गणपति जगवंदन...अमृत मिश्रा

मेघ मल्हार...कुंवर पाल सिंह, शिव शंभू कपूर

राग यमन...सूर्यकांत चौधरी, शिव शंभू कपूर

वीर अभिमन्यम्...अंबुज कुकरेती

गणपति जगवंदन...डॉ. उषा तिवारी, डॉ. पंकज शर्मा, आनंद मिश्रा

वर्णम्...अंबाली प्रहराज

## एसआरएमएस ट्रस्ट के सभी संस्थानों में उत्साह से मनाया गणतंत्र दिवस

# मानव सेवा ही है सभी का धर्म: देव मूर्ति

### रिद्धिमा, गुडलाइफ, सीईटी, सीईटीआर, आईबीएस और आईएमएस में फहराया तिरंगा

**बरेली:** एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने गणतंत्र दिवस समारोह में विद्यार्थियों को मानवसेवा की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही देश का भविष्य हैं। आप जिस प्रोफेशन में आए हैं वह जाति, धर्म और संप्रदाय देखे बिना मानव सेवा को प्रमुखता देता है। मानव सेवा ही आपका धर्म है। प्रतिज्ञा है। मानव सेवा के जरिये ही आपको देश और समाज को आगे ले जाना है।

एसआरएमएस ट्रस्ट के बरेली, लखनऊ और उन्नाव स्थित संस्थानों में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने बरेली में एसआरएमएस रिद्धिमा, एसआरएमएस गुडलाइफ, एसआरएमएस सीईटीआर, एसआरएमएस मेडिकल कालेज, एसआरएमएस सीईटी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। लखनऊ स्थित एसआरएमएस आईबीएस और उन्नाव स्थित एसआरएमएस कालेज आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज में डायरेक्टर श्यामल गुप्ता जी ने राष्ट्रीय ध्वज लहराया। इस मौके पर प्रिंसिपल शामिल सीबी, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.मीनाक्षी शर्मा सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। एसआरएमएस मेडिकल कालेज में एमबीबीएस छात्रा वैष्णवी त्रिपाठी ने सभी का स्वागत किया। चेयरमैन देव मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डा.आरपी सिंह, डीन पीजी डा.पियूष कुमार, डीन यूजी डा.रोहित शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति जी को श्रद्धांजलि पुष्प अर्पित किए। सभी की उपस्थिति में देव मूर्ति जी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि संविधान लागू हुए आज 72 वर्ष हो गए। इस बीच देश ने सुई से लेकर जहाज तक सब बनाया गया है। इस कोरोना काल में भी हमारे

ध्वजारोहण

वैज्ञानिकों ने कोविड की वैक्सीन दूसरे देशों के मुकाबले सबसे पहले बना ली। हम सबने भी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में समाज और सरकार का सहयोग दिया। 17 सौ से ज्यादा कोविड संक्रमित मरीज एसआरएमएस मेडिकल कालेज में भर्ती हुए और स्वस्थ होकर घर गए। हमारे ट्रस्ट परिवार के भी काफी लोग संक्रमित हुए लेकिन लोगों के इलाज कोई पीछे नहीं हटा। सबने हिम्मत के साथ कोविड संक्रमण के खिलाफ लड़ाई लड़ी। कोरोना वारियर कहलाए। हमारी सेवा को मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने भी सराहा और अच्छा काम बताया। देव मूर्ति जी ने मेडिकल, पैरामेडिकल और नर्सिंग के विद्यार्थियों को भविष्य के लिए समाजसेवा और मानवसेवा की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आप देश का भविष्य हैं। आप ही देश के लिए नई नई दवाइयां खोजेंगे, रिसर्च करेंगे और देश को संभालेंगे। जब कभी ऐसी विपदाएं आएं आपको ही आगे बढ़ कर देश को संभालना है। यही आपका धर्म है। प्रतिज्ञा है। धर्म, जाति और संप्रदाय से हट कर आपको मानव सेवा करनी है।

प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने आओ झुक कर करें सलाम उन्हें जिनके हिस्से में मुकाम आता है, कितने खुशनसीब हैं वो लोग जिनका खून वतन के काम आता है। शेर से अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस वास्तव में हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के संतुलन का संदेश देता है। हम अपने कार्य यदि ईमानदारी, भाई चारे और कर्तव्य निष्ठा से करें तो हमें सफलता के शिखर तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। डा.गुप्ता ने कहा कि ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री चर्चिल ने कहा था कि स्वस्थ नागरिक किसी भी देश के लिए उसकी संपत्ति होते हैं। हम नागरिकों को रोगों से दूर कर उन्हें स्वस्थ बना कर देश की बड़ी सेवा कर रहे हैं। इसी बदौलत इंडिया टुडे पत्रिका ने वर्ष 2020

के अपने सर्वेक्षण में देश के उभरते मेडिकल कालेजों में एसआरएमएस को चौथा स्थान दिया है। जी बिजनेस द्वारा भी हमें बेस्ट हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट का अवार्ड दिया गया। यह हमारे लिए गौरव की बात है। इसी महीने केंद्र सरकार ने कोक्लियर इंप्लांट स्कीम में भी हमारे संस्थान को इंपैनल किया है। यह सब हमारी गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं, सबकी मेहनत और चेयरमैन सर की दूर दृष्टि व कुशल नेतृत्व का नतीजा है। मेडिकल सुपरिंडेंटेंट डा.आरपी सिंह ने विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस पर समाजसेवा की प्रेरणा दी। इस मौके पर आईपीएस प्रिंसिपल डा.कृष्ण गोपाल, डीएसडब्ल्यू डा.अतुल कुमार, सभी विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, डाक्टर, रेजिडेंट्स, नर्सिंग स्टाफ कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे। एसआरएमएस गुडलाइफ में डायरेक्टर ऋचा मूर्ति और स्टाफ मौजूद रहा। सीईटी में डा.प्रभाकर गुप्ता, अनुज कुमार मौजूद रहे। इससे पहले एसआरएमएस आईपीएस के विद्यार्थी दीक्षा शुक्ला, भाव्या सती, भावना, महिमा महाजन, मुस्कान अग्रवाल, दिव्यांशी, खुशी, वारीशा ने मेरा मुल्क मेरा देश गीत गाकर लोगों में देशभक्ति की भावना भर दी। एसआरएमएस आईपीएस के ही आर्यन गुप्ता, अब्दुल खलीक, योगेंद्र यादव, निखिल शर्मा और आकाश ने मेरा कर्मा तू मेरा धर्मा तू गीत गाकर उपस्थित लोगों में देशभक्ति का संचार किया। एसआरएमएस के एमबीबीएस 2019 के विद्यार्थी मुस्कान, श्रुति, अरुणिमा, महिमा, ऋचा ने देशभक्ति गीत तेरी मिट्टी और एमबीबीएस 2018 के विद्यार्थी उज्ज्वला, मिमांशा, शैलजा, राजेश्वरी ने ऐ वतन गीत गाया।

नर्सिंग उन्नाव

## सीईटी बरेली में दी गयी 2.45 लाख की स्कालरशिप

गणतंत्र दिवस के मौके पर सीईटी में एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने मेधावी बच्चों को 2.45 लाख रुपये स्कालरशिप वितरित की। सीईटी बरेली के बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र ज्योर्तिमय वसानीवाल और सीईटी उन्नाव के हर्ष श्रीवास्तव को 2020 का बेस्ट इंजीनियर अवार्ड दिया। इस मौकेपर सीईटी एमबीए की विद्यार्थी पंखुड़ी को 40 हजार रुपये स्कालरशिप में प्रदान किए गए। इसके साथ ही गीतांजलि जोशी, गगन सिंह, सचिन सक्सेना को 25-25 हजार रुपये दिए गए। आशुतोष मौर्या (15 हजार), इशिता सिंह (15 हजार), जसवंत सिंह (15 हजार), मन्ताशा साबिर (15 हजार), रविकांत यादव (15 हजार), यशस्वी चौहान (15 हजार), तान्या सक्सेना (10 हजार), स्पर्श अग्रवाल (5 हजार), स्तुति सक्सेना (5 हजार), दीया अग्रवाल (5 हजार), ईशा मित्तल (5 हजार), अजय अधिकारी (5 हजार), शुभम शर्मा (5 हजार) भी स्कालरशिप प्रदान की गई।

## सीईटीआर में वर्व क्लब के प्रेसिडेंट बने उत्कर्ष श्री नेत्र

एसआरएमएस सीईटीआर में 16 जनवरी को विद्यार्थियों के वर्व क्लब के नए पदाधिकारी चुने गए। उत्कर्ष सिंह श्रीनेत्र को क्लब का प्रेसिडेंट बनाया गया। उनके साथ अंकिता श्रीवास्तव और पारस प्रधान को सेक्रेटरी व ट्रेजरार दोनों की जिम्मेदारी दी गई। अमृता मिश्रा और वैभव टमटा वाइस प्रेसीडेंट बने। अंकित शर्मा और प्रेरणा जैन को ज्वाइंट सेक्रेटरी की जिम्मेदारी दी गई। संचित अग्रवाल और प्रिया यादव संस्कृतिक प्रधान बने। स्पोर्ट्स की जिम्मेदारी रोशन पाठक औरर कुमारी शीतल को दी गई। जबकि टेक्निकल हेड ऋतिक श्रीवास्तव और सुमबुल खान को बनाया गया। इसी के साथ जजमेंट क्वार्डिनेटर की जिम्मेदारी आयुष चौधरी और आयुषी रस्तोगी को प्रदान की गई। एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी की मौजूदगी में सभी पदाधिकारियों ने शपथ ली।

## सीईटी में टायरो क्लब की प्रेसीडेंट बनी शिवांगी शुक्ला

एसआरएमएस सीईटी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संपादन के लिए संचालित टायरो क्लब की नई कार्यकारिणी चुनी गई। इसमें शिवांगी शुक्ला को क्लब की प्रेसीडेंट बनाया गया। जबकि सेक्रेटरी की जिम्मेदारी हुताशन राज को दी गई। ट्रेजरार अमन आनंद, वाइस प्रेसीडेंट टेकव्योम गार्गी भाटिया, वाइस प्रेसीडेंट आमोद गौरांग अग्रवाल, वाइस प्रेसीडेंट जेस्ट आयुष सक्सेना को बनाया गया। अंशी अग्रवाल और कीर्ति रावत को स्पोट्स हेड की जिम्मेदारी दी गई। जबकि टेक्निकल हेड आदर्श तिवारी और सजल सरन बनाए गए। हर्षिता मौर्या और हर्ष मंगलम को कल्चरल हेड की कमान सौंपी गई। जजमेंट चेयरपर्सन अर्श रूपनवार और लिटरेरी चेयरपर्सन प्रियंका अग्रवाल को बनाया गया। टायरो क्लब की एग्जीक्यूटिव कमेटी में कई अन्य विद्यार्थी भी शामिल किये गये।

सीईटीआर, बरेली

मेरा मुल्क, मेरा देश...

आईबीएस, लखनऊ

मेरा कर्मा तू...

ऐ वतन...

CELEBRATION ON

26 JANUARY

गुडलाइफ, बरेली

सीईटी, बरेली

# अंतिम गेंद तक रोमांचक रहा फ्रैंडली क्रिकेट मैच

- एक बाल शेष रहते डा.मोहंती ने बनाया विजयी रन, चार विकेट से जीता सीईटी
- राजीव सैनी मैन आफ द मैच चुने गए जबकि डा.अमित बेस्ट बैट्स मैन बने
- दो-दो विकेट लेने वाले देवांश मूर्ति और डा.दीपक बने मैच के श्रेष्ठ गेंदबाज

**बरेली:** गणतंत्र दिवस समारोह के बाद एसआरएमएस सीईटी के स्टेडियम में आईएमएस और सीईटी की टीमों के बीच फ्रैंडली क्रिकेट मैच खेला गया। 16 ओवर के इस मैच के लिए दोनों टीमों के कप्तान डा.पवन मेहरोत्रा और डा.सोवन मोहंती के बीच टॉस हुआ। डा.पवन ने टॉस कर पहले खेलने का फैसला किया। आईएमएस की ओर से डा.आयुष और डा.अमित ओपनिंग करने उतरे। डा.आयुष ने दूसरी ही बाल बाउंड्री पार भेज कर अपने मंसूबे दिखाने शुरू किए। इन दोनों ने तेजी से खेलते हुए सात ओवर में टीम का अर्धशतक पूरा किया। तभी युवांश मूर्ति ने खतरनाक होती आईएमएस की ओपनिंग जोड़ी को तोड़ा। डा. आयुष ने तीन चौकों की मदद से 21 गेंदों पर 25 रन बनाए। उनकी जगह डा.महेश आए। दो चौके और मैच का पहला सिक्स मारने के बाद आक्रामक होते डा.महेश की पारी को जॉय ने संजय के हाथ बाउंड्री पर कैच करा कर खत्म किया। उनके रहते आईएमएस की टीम 12 ओवर में 99 रन बना चुकी थी। दो विकेट गिरने के बाद डा.रविंदर ने मैदान संभाला और उनके सामने गेंदबाजी करने आए देवांश मूर्ति। उनकी तीसरी ही गेंद को मारने के चक्कर में डा.रविंदर ने संजय को कैच दे दिया। तीसरा विकेट 104 रन पर गिरा। अब डा.अमित का साथ देने डा.कपिल पहुंचे। मैच की अंतिम गेंद को बाउंड्री पर पहुंचाने के चलते वह स्टंप हो गए। आईएमएस की टीम 126 रन बना कर पैवेलियन पहुंची। इसमें डा.अमित के 50 रनों के बाद सबसे ज्यादा रन एक्स्ट्रा के रूप में मिले। जीतने के लिए 127 का पीछा करने उतरी सीईटी की टीम शुरुआत अच्छी नहीं रही। डा.रविंदर के पहले ही ओवर में नितिन सक्सेना को दो रन पर आउट कर दिया। तब सीईटी के खाते में सिर्फ तीन रन ही जुड़े थे। अब मैच की कमान आदित्य मूर्ति और राजीव सैनी ने संभाली। दोनों ने आराम से खेलना शुरू किया और बीच बीच में गेंद को बाउंड्री का रास्ता दिखाने की रणनीति अपनाई। यह साझेदारी दसवें ओवर में 71 रन पर टूटी। डा.दीपक ने आदित्य मूर्ति को डा.रविंदर के हाथ कैच करवाया। आदित्य ने तीन चौकों और दो छक्के की मदद से 22 गेंदों में महत्वपूर्ण 33 रन बनाए। अब सीईटी की टीम को जीतने के लिए छह ओवर में 56 रन बनाने की जरूरत थी। ऐसे में सत्येंद्र सिंह ने बैट पकड़ा। लेकिन 12 गेंद में मात्र 11 रन बना कर आउट हुए। उन्हें क्लीन बोल्ड डा.दीपक ने किया। सीईटी का तीसरा विकेट तेरहवें ओवर में 102 रन पर गिरा। अब कप्तानी पारी खेलने उतरे डा.मोहंती। उन्होंने आते ही दो चौके जड़ कर अपनी टीम की जीत का विश्वास दिलाया। हालांकि इसी बीच 14वें ओवर में राजीव सैनी डा.अमित की गेंद को आगे बढ़ कर खेलने से चूक गए। जिस पर कपिल ने उन्हें स्टंप कर दिया। सैनी ने 42 गेंद खेल कर 34 रन बनाए। मैंच में फिर आईएमएस का पलड़ा भारी होता दिखा। लेकिन डा.मोहंती और गौरव ने सीईटी की जीत की उम्मीदें जीवित रखीं। मैच की एक बाल फेंके जाने से पहले स्कोर बोर्ड पर सीईटी का स्कोर 126 रन हो गया। अब अंतिम गेंद पर जीत के लिए सिर्फ एक रन बनाना बाकी था। गेंद डा.रविंदर के हाथ थी। दर्शकों की सांसें थमी थीं। लेकिन बाल को पुल कर आसानी से एक रन लेकर डा.मोहंती ने सीईटी को जीत दिला दी। वह 15 रन बना कर नाटआउट रहे। एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने सभी खिलाड़ियों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बेहद रोमांचक मैच में सीईटी ने आईएमएस से खुद को बड़ा भाई साबित किया। उन्होंने विजेता सीईटी टीम के कप्तान डा.मोहंती को ट्राफी प्रदान की। राजीव सैनी को मैन आफ द मैच चुना गया। जबकि 50 रन बना कर अविजित रहने वाले डा.अमित सक्सेना बेस्ट बैट्स मैन चुने गए। दो-दो महत्वपूर्ण विकट लेने वाले देवांश मूर्ति और डा.दीपक को बेस्ट बालर चुना गया। सभी को अवार्ड चेयरमैन देव मूर्ति जी ने प्रदान किए।

श्रेष्ठ गेंदबाज

श्रेष्ठ बल्लेबाज

मैन ऑफ द मैच

श्री राममूर्ति स्मारक ट्रस्ट द्वारा आयोजित कहानी प्रतियोगिता 2016 में प्रथम स्थान प्राप्त कहानी

# बंटवारा

*लेखक- वीरेंद्र कुमार चतुर्वेदी, पता- ग्राम व पोस्ट बेहटा (सफदरगंज), बाराबंकी, उप्र*

सावन का महीना, हर तरफ जल ही जल। बरसात के महीने में ग्रामीणांचल में सिवाय जल के और कुछ नजर नहीं आता है। इसी जल प्रलय में सरयू नदी की तलहटी में बसे पिपरधानी गांव के लोग भी जिंदगी की जद्दोजहद से जूझ रहे थे। यह लगभग प्रत्येक वर्ष का काम है। इस गांव के लिए जब बारिश के महीनों में लोग अपने घरों को छोड़ कर मवेशियों को साथ लेकर ऊंचे स्थानों पर चले जाते हैं और बरखा समाप्त होने पर वापस अपने घरों को लौट आते हैं। पिपरधानी गांव मल्लाहों का गांव है। नदी किनारे बसे इस गांव के लोग सरयू मैया के शांत ने पर नदी किनारे अपनी जमीनों पर खेती कर अपना गुजारा चलाते हैं। साथ ही साथ लोगों को नदी पार कराने में भी मदद करते हैं। 21वीं सदी के भारत में भी आज इस तरह के अनेकों गांव अपनी बेबसी और लाचारी पर रोते हैं। जहां सरकारी सहायता के नाम पर सिवाय वायदों के और कुछ नहीं मिलता। शायद यही उनकी तकदीर है। सरयू का जलस्तर धीरे- धीरे घटकर एक परिधि अर्थात सीमा में आकर बहने लगा। पिपरधानी गांव में लोग वापस लौटने लगे और इन्हीं लोगों के बीच वापस लौटने वालों में एक परिवार मुनरी काकी का भी था। दिन धीरे-धीरे सामान्य होने लगे थे। लोग सरयू के कहर से बची फसलों की देख रेख करने लगे। मल्लाह नदी नाव का खेल फिर से खेलने लगे। ऐसा लगा मानों इससे कुछ समय पहले यहां कुछ हुआ ही न था। आकस्मात एक दिन मुनकी काकी के घर हंगामा मच गया। गांव के लोग इकट्ठे होक गए। कारण पता चला मुनकी काकी का छोटा बेटा रघुवा अपनी मां से अलग रहना चाहता है। रघुवा की पत्नी बसंती को अपनी बूढ़ी सास का साथ अब अखरने लगा था। लोगों ने रघुवा को खूब लताड़ लगाई, खूब कोसा, मां की कोख और उसके द्वारा किए गए उपकारों का वास्ता दिया, किंदु वाह रे मानव। जब व्यक्ति मन से मैला हो जाए तो उसे बाहर से साफ नहीं किया जा सकता है। अंततः यह तय हुआ कि मुनकी काकी के पास गांव में जो जमीन है उसमें आधा हिस्सा रखुवा को और आधा हिस्सा मुनकी काकी को दे दिया जाए। मकान में यह भी तय हुआ कि बूढ़ी काकी को दो कच्ची कोठरी वाला मकान दिया जाए और रघुवा अपने परिवार समेत घर के सामने बने खपरैल वाले आहाते में रह कर उसकी मरम्मत वगैरह करा कर रहे। रघुवा के बाप बिरजू की नाव उसे और उसके एवज में एक काली गाय जिसने हाल ही में बच्चा दिया है, वह काकी के हिस्से में दे दी जाए। क्योंकि काकी अब बूढ़ी हो चली हैं जबकि रखुवा नाव चला कर अपने परिवार का पालन व अन्य आवश्यकताएं पूरी कर सकता है। गांव के गरीबों के पास संपत्ति के नाम पर बस इतनी ही पूंजी होती है। गांव के लोगों ने अपनी बुद्धि एवं विवेक से फैसला ककर बंटवारा कर दिया था। काकी स्तब्ध थीं मानों बुत बन गयी हों। अपनी कोख से ऐसी उम्मीद तो न थी। बड़ा भरोसा था अपने लाड़ले पर, पर यह भरोसा कांच के माफिक एक दिन ऐसा टूटेगा इसकी तो स्वप्न में कल्पना न की थी मुनकी काकी ने। बेटा बीच रास्ते में उस समय साथ छोड़ रहा था जब शायद उन्हें उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। सरयू थम गयी थी। पर मानों आज पुनः काकी की आंखों से सूक्ष्म रूप में बहने लगी हो। उसी विकराल रूप में। सब लोग वापस जाने लगे। काकी ने रुंधे गले व

भर्रायी आवाज में सबको रुक जाने के लिए कहा। लोग अपनी अपनी जगहों पर यथावत खड़े हो गये। काकी ने कहा कि सरपंच जी और मुखिया जी तथा गांव के सभी लोगों, मैं अब कगार का पेड़ हूं। कब गिर जाऊं, पता नहीं। गाय की सेवा पानी मैं न कर सकूंगी। ऐसे में नाव के साथ- साथ काली गाय भी रघुवा को दे दी जाए। उसकी बेटी मुनिया अभी तीन साल की है। रघुवा उसके लिए दूध कहां से लाएगा। मेरी बहू मेरे घर की मर्यादा है। मैं बूढ़ी होकर बाहर खपरैल वाले आहाते में रह लूंगी और बहू को रहने के लिए कच्ची बनी दो कोठरी वाला मकान दे रही हूं।

लोग लौट चुके थे। सुरमई सांझ दुवार पर दस्तख्त देने लगी थी। चांद अपनी रोशनी धीरे धीरे बिखेरने लगा था। टिमटिमाती तारों की रोशनी हौले हौले तेज होने लगी थी। पर मुनकी काकी अब भी उसी जगह पर बुत बनी बैठी थीं। उन्होंने अपने जीवन में बड़े बड़े दुख झेले थे। काकी अब यादों में खो गईं जब वह चालीस वर्ष की थीं। जब रघुवा के बापू उसे छोड़ कर परलोक चले गए। अगर कुछ दे गए थे तो दो बेटे रमुवा और रघुवा। बड़ा बेटा उस समय 14 बरस का था और छोटा नौ बरस का। पर काकी ने हार नहीं मानीं। क्योंकि वह जानती थीं कि समाज सिवाय दिलासे और अफसोस के उन्हें या उनके बच्चों को कुछ नहीं दे सकता है। काकी ने दुख भूल हिम्मत जुटा कर दोनों बेटों की परवरिश की। दिन रात घर की जिम्मेदारियों की वजह से बड़ा बेटा रमुवा आठवीं जमात से आगे पढ़ नहीं सका। किंतु काकी ने हठ करके एक जून खाकर दूसरे बेटे रघुवा को पढ़ाना जारी रखा। काकी ने रमुवा के आठवीं पास हो जाने के बाद उसका दाखिला नदी पार सुर्जनपुर गांव के इंटर कालेज में कराया। जब वह इंटरमीडिएट पास हुआ तो काकी ने पूरे गांव में लड्डू व पूड़ी बांटी। कुछ समय बाद काकी ने गाजे बाजे के साथ बड़े बेटे रमुवा की शादी बैजयंती के साथ कर दी। पूरे गांव में काकी के जज्बे की सराहना हो रही थी। पर विधाता को शायद बूढ़ी हो रही काकी पर दुख के और निर्मम प्रहार करने बाकी थे। शादी के दो बरस बाद रमुवा बाढ़ के बाद आई संक्रामक बीमारी मलेरिया के कारण चल बसा। रमुवा के पीछे दो बरस बाद टीबी की मरीज बड़ी बहू भी परलोक सिधार गई। काकी दुखों की इस मार से अंदर तक हिल गईं। इस दुख ने काकी को 60 बरस की उम्र में अधिक बूढ़ा कर दिया। काकी ने फिर अपने आप को संभाला। रघुवा गांव के पास ही ब्लाक में संविधा पर बाबू हो गया था। नौकरीर मिलने के बाद उसने बड़े सलीके से घर की सारी जिम्मेदारियां संभाल ली थीं। सब एक बार फिर से सामान्य हो गया था। फिर कुछ समय बाद काकी ने रघुवा की शादी अपनी दूर की रिश्तेदारी में बसंती नाम की लड़की से करा दी। जब बसंती पहली पहली बार अपनी ससुराल आई तो मुनकी काकी के झुर्रियों वाले चेहरे और पोपले गालों पर छाई हंसी देखने लायक थी। आदमी वास्तव में खिलौना है। जिंदगी जितने रंग बदलती है यह यह खिलौना भी उतने ही रंगों में रंग जाता है। एक पल खुशी और दूसरे पल गम शायद इसी का नाम जिंदगी है। एक कल का वक्त था जब बड़े बेटे और बहू मौत में घिरी मुनकी काकी थीं और एक आज का वक्त था।

अचानक काली स्याह रात में झींगुरों की झीं झीं... की आवाज से काकी की विचार श्रंखला टूट। रात के करीब बारह बज गए थे। कुत्ते भौंक रहे थे। बंटवारे के दुख का दर्द उस बूढ़ी काकी के चेहरे पर अब भी साफ देखा जा सकता था।

**(शेष भाग अगले अंक में)**

# चेयरमैन देव मूर्ति जी को कोरोना योद्धा सम्मान

- डा.ललित सिंह को भी किया गया कोरोना योद्धा अवार्ड से सम्मानित
- कोविड संक्रमित मरीजों की सेवा के लिए परिवहन मंत्री ने प्रदान किया स्मृति चिह्न

**बरेली:** अमर उजाला की ओर से रुहेलखंड कोरोना योद्धा सम्मान 2021 आयोजित किया गया। इसमें रुहेलखंड के उन कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डाल कर कोविड संक्रमित मरीजों की जान बचाई। बरेली में 30 जनवरी की रात्रि को हुए इस समारोह में एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी और रेस्पिरेटरी केयर मेडिसिन विभाग के हेड प्रोफसर डा.ललित सिंह जी को भी सम्मानित किया गया। देव मूर्ति जी के स्थान पर यह सम्मान एसआरएमएस मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा.एसबी गुप्ता ने ग्रहण किया। रुहेलखंड कोरोना योद्धा सम्मान 2021 में स्मृति चिह्न परिवहन मंत्री अशोक कटारिया ने दिया। इस मौके पर कमिश्नर रणवीर प्रसाद, एडीजी अविनाश चंद्र, आईजी राजेश पांडेय, डीएम नितीश कुमार, एसएसपी रोहित सजवाण, सीएमओ डा.सुधीर गर्ग, मेयर डा.उमेश गौतम व शहर के गणमान्य मौजूद रहे।

# गणतंत्र दिवस पर एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज को सम्मान

**बरेली:** गणतंत्र दिवस के मौके पर कलेक्ट्रेट परिसर में जिला प्रशासन की ओर से एसआरएमएस मेडिकल कालेज को सम्मानित किया गया। डीएम बरेली नितीश कुमार ने दो प्रशस्ति पत्र एसआरएमएस मेडिककल कालेज को प्रदान किए। पहला प्रशस्ति पत्र बरेली जिले के 119 अस्पतालों में संचालित आयुष्मान प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेवाई) में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए मिला। जबकि सिल्वर क्वालिटी सर्टिफिकेट के रूप में दूसरा प्रशस्ति पत्र मरीजों को श्रेष्ट व गुणवत्तायुक्त चिकित्सकीय सुविधाएं देने के लिए मिला। दोनों सर्टिफिकेट एमएस डा.आरपी सिंह ने हासिल किये।

- जिले में पीएमजेवाई में सबसे ज्यादा मरीज देखने पर मिला प्रशस्ति पत्र, गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं पर सिल्वर क्वालिटी सर्टिफिकेट भी मिला

Certificate of Appreciation

This certificate is awarded to
Shri Ram Murti Smarak Institute of Medical Sciences, Bareilly
for exemplary performance under Ayushman Bharat
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (AB PM-JAY).

Certificate of Appreciation
"Silver"

This certificate is awarded to
Shri Ram Murti Smarak Institute of Medical Sciences, Bareilly
in recognition of adherence to the Quality Certification standards of
Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (AB PM-JAY).

# एसआरएमएस मेडिकल कालेज में उत्साह से हुआ वैक्सीनेशन

**बरेली:** एसआरएमएस मेडिकल कालेज में जनवरी माह के अलग- अलग दिनों में हुए कोविड 19 वैक्सीनेशन में उत्साह के साथ लोगों ने भाग लिया। सभी ने बेखौफ होकर वैक्सीनेशन कराया। जनवरी में चार दिनों में 15 सौ से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंट लाइन वर्करों ने कोविड का टीका लगवाया। वैक्सीनेशन का उद्घाटन विधिवत रूप से रिबन काट कर एसआरएमएस ट्रस्टी आशा मूर्ति जी ने किया। पहले दिन एसआरएमएस मेडिकल कालेज में कोविड वैक्सीन का पहला टीका डा.मनोज गुप्ता ने लगवाया। ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने भी कम समय में कोविड वैक्सीन तैयार करने के लिए सरकार और वैज्ञानिकों को बधाई दी। पहले दिन 16 जनवरी को सौ में से 63 लोगों ने कोविड का टीका लगवाया। जबकि दूसरे दिन 22 जनवरी को 300 में से 275 (91.66 फीसद) लोग टीका लगवाने के लिए सामने आए। 28 जनवरी को 675 की लिस्ट में से 623 (92.3 फीसद) लोगों ने वैक्सीनेशन कराया। 29 जनवरी को 548 लोग वैक्सीनेशन करवाने पहुंचे।

# एसआरएमएस में ज्यादा होंगी कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी

## केंद्र सरकार ने कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को पैनल में किया शामिल

- केंद्र सरकार ने कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम में एसआरएमएस मेडिकल कालेज को पैनल में किया शामिल
- सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने दिया सहमति पत्र

**बरेली:** वर्ष 2021 आरंभ होने के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कालेज को एक और उपलब्धि हासिल हुई है। केंद्र सरकार ने सुनने और बोलने में अक्षम बच्चों और बड़ों के लिए चलाए जा रहे कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम के लिए एसआरएमएस मेडिकल कालेज को अपने पैनल में शामिल किया है। इस संबंध में केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने अपना सहमति पत्र एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ईएनटी एंड एचएनएस विभाग को भेजा है। पैनल में शामिल होने से एसआरएमएस मेडिकल कालेज में जरूरतमंद सभी बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी अब संभव हो पाएगी। ज्यादा खर्च होने की वजह से यह सर्जरी आम लोगों की पहुंच से बाहर थी। हालांकि एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से दो जरूरतमंद बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी प्रति वर्ष निशुल्क कराई जा रही है। यह जानकारी एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ईएनटी एंड एचएनएस विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा.रोहित शर्मा ने दी। डा.रोहित शर्मा ने बताया कि हमारे ईएनटी विभाग में विश्वस्तरीय उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसी वजह से हमें कभी किसी मरीज को रेफर करने की जरूरत नहीं पड़ी। कुछ वर्ष पहले हमने अपने विभाग में कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी भी आरंभ की थी। यह सर्जरी उन मूक बधिर बच्चों के कानों में करने की जरूरत पड़ती है जो सुनने में पैदायशी अक्षम हों या बाद में किसी इंफेक्शन की वजह से सामान्यत: सुनने में सक्षम न हों। यह महंगी सर्जरी है। इसमें लगने वाली डिवाइस (इलेक्ट्रोड) की कीमत ही पांच लाख से 20 लाख तक होती है। इसी वजह से यह सर्जरी आम लोगों की पहुंच से बाहर है। ऐसे में पिछले कई वर्षों से एसआरएमएस ट्रस्ट अपनी ओर से प्रति वर्ष दो बच्चों की सर्जरी करा रहा था। इसके आपरेशन से लेकर डिवाइस और दवाइयों तक का खर्च एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से ही वहन किया जाता है। लेकिन महंगा आपरेशन होने की वजह से ज्यादातर बच्चों की सर्जरी नहीं हो पा रही। केंद्र सरकार ने ऐसे बच्चों के इलाज के लिए मुंबई स्थित अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट आफ स्पीच एंड हियरिंग डिसबिलिटीज को नोडल इंस्टीट्यूट बनाया है। ऐसे सभी बच्चों का आपरेशन इस इंस्टीट्यूट द्वारा करवाया जाता है। जिसका खर्च केंद्र सरकार देती है। केंद्र के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित इस नोडल इंस्टीट्यूट द्वारा एसआरएमएस मेडिकल कालेज को कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम के लिए अपने पैनल में शामिल किया गया है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने अपना सहमित पत्र एसआरएमएस मेडिकल कालेज के ईएनटी एंड एचएनएस विभाग को भेजा है। पैनल में शामिल होने से एसआरएमएस मेडिकल कालेज जरूरतमंद पांच वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों की कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी करने में सक्षम होगा। इसके साथ ही हम सुनने और बोलने की ट्रेनिंग भी आपरेशन के बाद बच्चों को देंगे। इसका सारा खर्च केंद्र सरकार द्वारा उठाया जाएगा। डा.शर्मा ने कहा कि पैनल में शामिल होने वाला एसआरएमएस उत्तर प्रदेश का पहला निजी मेडिकल है। देश के भी कुछ ही गिने चुने मेडिकल कालेज इस प्रोग्राम के तहत केंद्र सरकार के पैनल में शामिल हैं।

डॉ. रोहित शर्मा

एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने इस उपलब्धि पर डा.रोहित शर्मा और ईएनटी विभाग के अन्य डाक्टरों सहित सभी साथियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से हम प्रति वर्ष ऐसे मूक बधिर बच्चों के निशुल्क आपरेशन करवाते हैं। काफी महंगा आपरेशन होने से प्रति वर्ष जरूरतमंद दो बच्चों को ही हम अटैंड कर पा रहे थे। केंद्र सरकार के पैनल में शामिल किए जाने पर अब सभी जरूरतमंद बच्चों का आपरेशन एसआरएमएस मेडिकल कालेज में संभव हो पाएगा। ट्रस्ट द्वारा अब तक प्रियांशी प्रजापति (आजमगढ़), रश्मि (मुरादाबाद), अनुज (भोजीपुरा, बरेली), वंश यादव (बल्लिया, बरेली), कार्तिक बत्रा (काशीपुर, उत्तराखंड), कुशाग्र शर्मा (बरेली) का निशुल्क आपरेशन किया जा चुका है। यह सभी सामान्य बच्चों की तरह ही व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसआरएमएस मेडिकल कालेज को केंद्र सरकार द्वारा कोक्लियर इंप्लांट प्रोग्राम के लिए पैनल में शामिल किया जाना हमारे लिए तो गर्व की बात है ही बरेली के लिए भी एक उपलब्धि है। क्योंकि कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी की सुविधा पश्चिमी उत्तर स्थित किसी अन्य संस्थान में नहीं है। प्रोग्राम में शामिल किए जाने से हम पश्चिमी उप्र और उत्तराखंड के ऐसे सभी बच्चों को हम नया जीवन देने में सफल होंगे जो किसी कारण से सुनने में सक्षम नहीं हैं।

## PROMOTION / APPRECIATION / JOINING

(Till 29th Jan. 2021)

डॉ. गीता कार्की

डॉ. अमृता बाजपेयी

गणतंत्र दिवस पर एसआरएमएस आईएमएस में एनेस्थेसिया विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डा. गीता कार्की और आर्थ्रैल्मोलाजी विभाग में में असिस्टेंट प्रोफेसर डा.अमृता बाजपेयी दोनों को पदोन्नत कर प्रोफेसर बनाया गया। पदोन्नति पत्र ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने प्रदान किए।

डॉ. रोहित शर्मा

नए वर्ष 2021 के पहले दिन एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति जी ने बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सर्टिफिकेट प्रदान किए। इसमें प्रोफेसर डा. रोहित शर्मा, डा.समर्थ गुप्ता (एसआर), डा.हेलना बाबू (एसआर), डा.यादवेंद्र सिंह (जेआर 3), डा.शिखा खुराना (जेआर 3), डा.सांची देव (जेआर 3), डा.हिमांशी खट्टर (जेआर 2), डा.प्रवीन कुमार मिश्रा (जेआर 2), डा. कीर्ति शेखर (जेआर 2), चमकी रानी दास (स्टाफ नर्स) और रमनजीत कौर (स्टाफ नर्स) शामिल रहे।

डॉ. अखिलेश पहाड़े

डॉ. समर्थ गुप्ता

डॉ. यादवेन्द्र सिंह

डॉ. फुजैल अहमद

डॉ. वत्सल अग्रवाल

डॉ. विश्वजीत सिंह राजपूत

डॉ. प्रवीन कुमार मिश्रा

डॉ. शिखा खुराना

डॉ. हिमांशी खट्टर

डॉ. कृति शेखर

चमकी रानी दास

वैशाली रानी डेविड

रमनजीत कौर

नूर तारा

**डा.प्रतिश्रुति,** असिस्टेंट प्रोफेसर
एनेस्थेशिया, आईएमएस

**डा.अनंत आकाश,** एसआर
आर्थोपेडिक्स, आईएमएस

एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थानों में संबद्ध होने वाले सभी नए एवं पदोन्नत साथियों को **बधाई एवं शुभकामनाएं...**

**डा.समर्थ गुप्ता,** एसआर
पल्मोनरी मेडिसिन,आईएमएस

**डा.इंद्रजीत कुमार,** एसआर
रेडियोडायग्नोसिस,आईएमएस

**डा.अंकित ग्रोवर,** एसआर
जनरल मेडिसिन,आईएमएस

**डा.सिद्धार्थ,** एसआर
पीडियाट्रिक्स,आईएमएस

Crosswords No. 9

## HORIZONTAL

1. Large domesticated bovine animal worshiped in India
3. Farm animal about a size of sheep
5. Largest land mammals on earth
7. Large even toed ungulated mammal also known as American buffalo
9. Wild animal with black and white strips
11. Calm , slow eating animal recognised by there fluffytail and big antlers
13. Ground dwelling, largest of great apes
15. Heavy bodied waterfowl intermediate in size build between large ducks and swan
17. Have a hard coiled outer shell

## VERTICAL

2. Large, brown, hulking beasts that gaze
4. Animal having hump on back
6. Small mammals with fluffy short tails and distinctive long ears
8. Small rodent having pointed snout,large rounded ears
10. Domesticated animal that can run shortly after birth
12. Domesticated animal used to carry weight
14. Long haired domesticated cattle
16. National animal of Australia
18. Slimy garden pests with revolting table manners.

क्रॉस वर्ड एवं सुडोकू का
परिणाम अगले अंक में देखें

Sudoku No. 9

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 6 | | | 3 | 2 | 5 | 4 |
| 2 | | | | | | | | 7 |
| 1 | | 9 | 7 | 5 | | 8 | | 6 |
| | 1 | 8 | 2 | | | 9 | 7 | |
| | | | | | 7 | 6 | 1 | |
| 6 | | 7 | 5 | | 1 | | | |
| | 5 | | 4 | 3 | 9 | | 6 | 1 |
| | | | | 2 | | | | |
| | 6 | 3 | 1 | | 8 | 5 | | 9 |

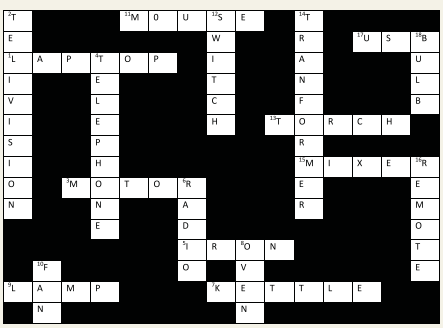



Answer: Crosswords No. 8

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 2 | 7 | 6 | 8 | 3 | 1 | 5 | 9 |
| 6 | 5 | 1 | 9 | 2 | 7 | 4 | 8 | 3 |
| 3 | 8 | 9 | 1 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 |
| 1 | 4 | 5 | 8 | 7 | 9 | 6 | 3 | 2 |
| 7 | 3 | 8 | 2 | 1 | 6 | 5 | 9 | 4 |
| 9 | 6 | 2 | 4 | 3 | 5 | 8 | 7 | 1 |
| 5 | 9 | 6 | 3 | 4 | 1 | 7 | 2 | 8 |
| 8 | 7 | 4 | 5 | 9 | 2 | 3 | 1 | 6 |
| 2 | 1 | 3 | 7 | 6 | 8 | 9 | 4 | 5 |

Answer: Soduko No. 8

PHARMA

# SHREE SIDDHI PHARMA CHEM

## AUTH. CHANNEL PARTNER:

- Fresenius Medical Devices (dialysis Machine & Consumable)
- Candure Aerootic
- Canixa Health Care
- Canixa Life Sciences
- Eli Lilly
- Emcure
- Encore Health
- Faith Micro Solution
- Galcare
- J B Chemical (contrast)
- Kidney Care (dialysis Fluid)
- Kivi Labs/healthcare
- Laranon Nephro/uro
- Lupin Ltd
- Mediart
- Microgen Hygiene
- Newtech Medical
- Qurewell
- SD Biosensor Ltd
- Sunways
- Veritaz
- Wallace Pharma
- Panacea Biotec (renal/pharma)
- Regaliz
- Steadfast
- Troikaa
- VHB
- Will Shine


D.D. Puram, Bareilly 243 001 (U.P.) Ph. 0581-2300462

+91 9837 659 076
+91 9897 694 488

e-mail :
shreesiddhipharmachem@gmail.com